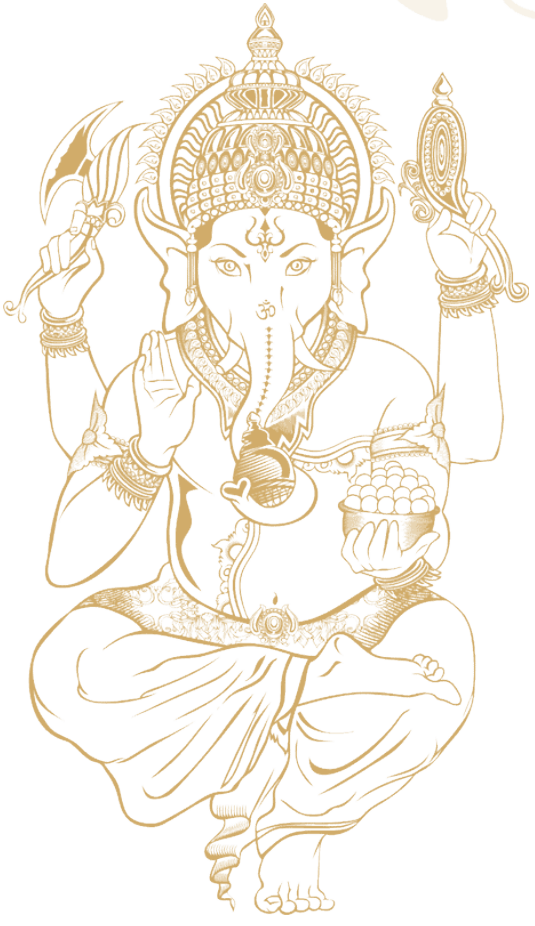

Pankaj Rai

06 Jun 1983

05:00 PM

Siwan

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120570807

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
06/06/1983	जन्म तिथि	**06/06/2025**
सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 17:00:04	जन्म समय	11:21:22 घंटे
घटी 30:00:24	जन्म समय(घटी)	15:53:47 घटी
India	देश	India
Siwan	स्थान	Siwan
उत्तर 26:14:00	अक्षांश	26:14:00 उत्तर
पूर्व 84:21:00	रेखांश	84:21:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:07:24	स्थानिक संस्कार	00:07:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
04:59:54	सूर्योदय	04:59:51
18:42:32	सूर्यास्त	18:42:53
23:37:14	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:46

वृश्चिक	लग्न	सिंह
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मीन	राशि	कन्या
गुरु	राशि-स्वामी	बुध
रेवती	नक्षत्र	चित्रा
बुध	नक्षत्र स्वामी	मंगल
2	चरण	1
सौभाग्य	योग	वरियान
विष्टि	करण	वणिज
दो-दौलत	जन्म नामाक्षर	पे-पैनी
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
विप्र	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	मानव
गज	योनि	व्याघ्र
देव	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	मूषक
42	गत/तत्कालिक वर्ष	43

जन्म - विवरण / वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
विशाखा	4	00:18:11	वृश्चि			लग्न			सिंह	15:17:20	1	पू०फाल्गुनी
रोहिणी	4	21:34:54	वृष			सूर्य			वृष	21:34:54	4	रोहिणी
रेवती	2	21:23:06	मीन			चंद्र			कन्या	25:41:40	1	चित्रा
रोहिणी	4	20:47:15	वृष		अ	मंगल			कर्क	29:39:52	4	आश्लेषा
कृतिका	1	27:59:11	मेष			बुध		अ	मिथु	00:10:09	3	मृगशिरा
अनुराधा	3	11:14:04	वृश्चि	व		गुरु			मिथु	04:57:57	4	मृगशिरा
पुष्य	1	06:36:37	कर्क			शुक्र			मेष	05:50:05	2	अश्विनी
चित्रा	4	04:36:20	तुला	व		शनि			मीन	06:36:07	1	उ०भाद्रपद
मृगशिरा	3	01:30:46	मिथु	व		राहु	व		कुंभ	29:40:53	3	पू०भाद्रपद
मूल	1	01:30:46	धनु	व		केतु	व		सिंह	29:40:53	1	उ०फाल्गुनी
अनुराधा	3	13:08:27	वृश्चि	व		मु			वृष	00:18:11	2	कृतिका

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:46

लग्न-चलित

वर्ष लग्न कुंडली

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

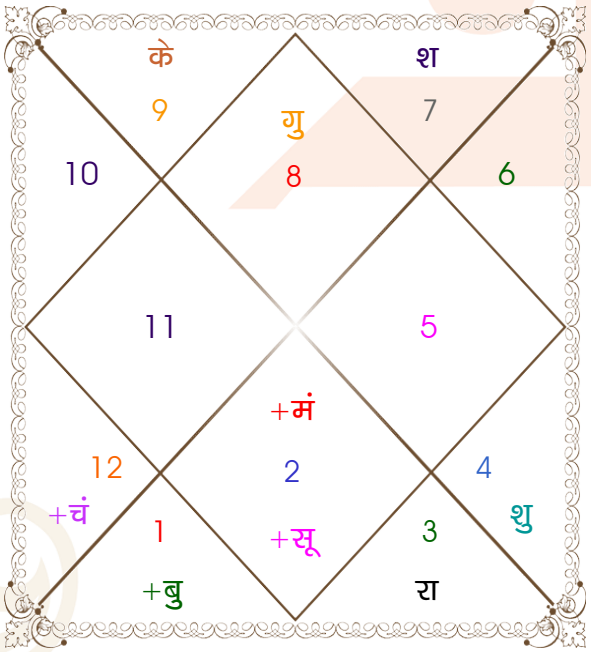

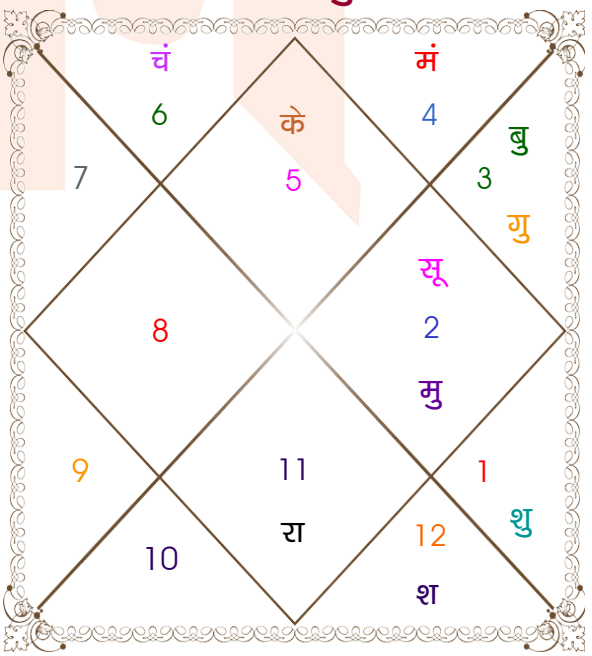

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

सूर्य - बुध - शनि	
05/12/2025 15:58	
23/01/2026 19:44	
शनि	13/12/2025 10:46
बुध	20/12/2025 09:54
केतु	23/12/2025 06:43
शुक्र	31/12/2025 11:21
सूर्य	02/01/2026 22:20
चंद्र	07/01/2026 00:39
मंगल	09/01/2026 21:28
राहु	17/01/2026 06:26
गुरु	23/01/2026 19:44

सूर्य - केतु - केतु	
23/01/2026 19:44	
31/01/2026 06:42	
केतु	24/01/2026 06:10
शुक्र	25/01/2026 12:00
सूर्य	25/01/2026 20:57
चंद्र	26/01/2026 11:52
मंगल	26/01/2026 22:18
राहु	28/01/2026 01:09
गुरु	29/01/2026 01:01
शनि	30/01/2026 05:21
बुध	31/01/2026 06:42

सूर्य - केतु - शुक्र	
31/01/2026 06:42	
21/02/2026 14:03	
शुक्र	03/02/2026 19:56
सूर्य	04/02/2026 21:30
चंद्र	06/02/2026 16:07
मंगल	07/02/2026 21:56
राहु	11/02/2026 02:38
गुरु	13/02/2026 22:49
शनि	17/02/2026 07:47
बुध	20/02/2026 08:14
केतु	21/02/2026 14:03

सूर्य - केतु - सूर्य	
21/02/2026 14:03	
27/02/2026 23:28	
सूर्य	21/02/2026 21:44
चंद्र	22/02/2026 10:31
मंगल	22/02/2026 19:27
राहु	23/02/2026 18:28
गुरु	24/02/2026 14:55
शनि	25/02/2026 15:13
बुध	26/02/2026 12:57
केतु	26/02/2026 21:54
शुक्र	27/02/2026 23:28

सूर्य - केतु - चंद्र	
27/02/2026 23:28	
10/03/2026 15:08	
चंद्र	28/02/2026 20:46
मंगल	01/03/2026 11:41
राहु	03/03/2026 02:02
गुरु	04/03/2026 12:07
शनि	06/03/2026 04:36
बुध	07/03/2026 16:49
केतु	08/03/2026 07:44
शुक्र	10/03/2026 02:21
सूर्य	10/03/2026 15:08

सूर्य - केतु - मंगल	
10/03/2026 15:08	
18/03/2026 02:06	
मंगल	11/03/2026 01:35
राहु	12/03/2026 04:25
गुरु	13/03/2026 04:17
शनि	14/03/2026 08:37
बुध	15/03/2026 09:59
केतु	15/03/2026 20:25
शुक्र	17/03/2026 02:15
सूर्य	17/03/2026 11:12
चंद्र	18/03/2026 02:06

सूर्य - केतु - राहु	
18/03/2026 02:06	
06/04/2026 06:19	
राहु	20/03/2026 23:08
गुरु	23/03/2026 12:30
शनि	26/03/2026 13:22
बुध	29/03/2026 06:34
केतु	30/03/2026 09:25
शुक्र	02/04/2026 14:07
सूर्य	03/04/2026 13:08
चंद्र	05/04/2026 03:29
मंगल	06/04/2026 06:19

सूर्य - केतु - गुरु	
06/04/2026 06:19	
23/04/2026 07:24	
गुरु	08/04/2026 12:52
शनि	11/04/2026 05:38
बुध	13/04/2026 15:35
केतु	14/04/2026 15:27
शुक्र	17/04/2026 11:38
सूर्य	18/04/2026 08:05
चंद्र	19/04/2026 18:11
मंगल	20/04/2026 18:02
राहु	23/04/2026 07:24

सूर्य - केतु - शनि	
23/04/2026 07:24	
13/05/2026 13:11	
शनि	26/04/2026 12:19
बुध	29/04/2026 09:08
केतु	30/04/2026 13:28
शुक्र	03/05/2026 22:26
सूर्य	04/05/2026 22:44
चंद्र	06/05/2026 15:13
मंगल	07/05/2026 19:33
राहु	10/05/2026 20:25
गुरु	13/05/2026 13:11

सूर्य - केतु - बुध	
13/05/2026 13:11	
31/05/2026 15:50	
बुध	16/05/2026 02:46
केतु	17/05/2026 04:07
शुक्र	20/05/2026 04:33
सूर्य	21/05/2026 02:17
चंद्र	22/05/2026 14:31
मंगल	23/05/2026 15:52
राहु	26/05/2026 09:04
गुरु	28/05/2026 19:01
शनि	31/05/2026 15:50

सूर्य - शुक्र - शुक्र	
31/05/2026 15:50	
31/07/2026 12:50	
शुक्र	10/06/2026 19:20
सूर्य	13/06/2026 20:23
चंद्र	18/06/2026 22:08
मंगल	22/06/2026 11:21
राहु	01/07/2026 14:30
गुरु	09/07/2026 17:18
शनि	19/07/2026 08:38
बुध	27/07/2026 23:36
केतु	31/07/2026 12:50

सूर्य - शुक्र - सूर्य	
31/07/2026 12:50	
18/08/2026 19:08	
सूर्य	01/08/2026 10:45
चंद्र	02/08/2026 23:16
मंगल	04/08/2026 00:50
राहु	06/08/2026 18:35
गुरु	09/08/2026 05:01
शनि	12/08/2026 02:25
बुध	14/08/2026 16:31
केतु	15/08/2026 18:05
शुक्र	18/08/2026 19:08

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा उनमें आपको वांछित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय उत्तम रहेगी तथा परिवारिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही सामाजिक प्रतिष्ठा एवं यश भी अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। इस वर्ष में शत्रु एवं विरोधी पक्ष का दमन करने में आप समर्थ हैं। जिससे आपकी- विपक्षी आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। संतति पक्ष से भी आप इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की प्राप्ति की भी सम्भावना रहेगी। इसके अतिरिक्त दाम्पत्य संबंधों में भी मधुरता रहेगी एवं सभी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधन भी उपलब्ध होंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आप आशातीत उन्नति करेंगे तथा इच्छित लाभ की भी आपको प्राप्ति होगी। साथ ही व्यापार में विस्तार या नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ कर सकते हैं। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होगा। तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त राजनैतिक महत्व के लोगों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा अपने सांसारिक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी । आप का स्वजनों के प्रति इस समय अत्यंत सद्भाव का भाव रहेगा तथा उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए आप यत्नशील रहेंगे। साथ ही सत्कर्मो को करने में भी आप तत्पर रहेंगे।धर्म के प्रति भी आपकी आस्था रहेगी तथा देवताओं एवं ब्राहमणों की आप नियमपूर्वक सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। इस वर्ष में आप आवास संबधी योजनाएं बनाएंगे या आपको नवीन स्थान की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी। व्यापारिक क्षेत्र में इच्छित लाभ एवं उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा। इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा अथवा किसी नवीन कार्य को आप प्रारंभ करेंगे।साथ ही आपके रूके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा आशाओं एवं संकल्पों में भी सफलता मिलेगी।इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण खुशी मिलेगी तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी आपको प्राप्ति हो सकती है । अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला रहेगा।